

Sriroopa Dutta

Published 01.02.26, 07:54 PM

Union Budget 2026: Mental health focus draw cautious praise from experts

Psychotherapist Dr. Minu Budhia, founder of Caring Minds International, called it a hopeful step towards breaking long-standing stigma around mental illness. She said mental health has for decades been treated as a taboo, forcing families to hide treatment and suffer in silence, and described the Budget's focus on mental healthcare as an important beginning towards ensuring accessible support for citizens across the country.

MINU BUDHIA WELCOMES PUSH ON MENTAL HEALTH BUDGET 2026-27

KOLKATA: Psychotherapist and Carring Minds International founder Dr. Minu Budhia welcomed the Union Budget's focus on mental healthcare, calling it a key step in breaking long-standing stigma. She said the proposal to set up a NIMHANS 2 in North India and upgrade mental health institutes in Ranchi and Tezpur would improve access to care. Budhia expressed hope that these measures mark the beginning of sustained reforms in mental healthcare.

The Statesman

People's Parliament, Always in Session

India's National Newspaper since 1818 | Pages 16 | ₹ 5.00 | KOLKATALC | NEW DELHI | MUMBAI | BHUBANESWAR | LUCKNOW | SILIGURI | Wednesday, 04 February 2026

S 12
Kolkata
Wednesday, 04 February 2026

BUSINESS

The Statesman

Budget's mental health focus brings hope: Dr. Minu Budhia



"Mental health issues have long been treated like a taboo and those suffering have been met with societal stigma. For years most families have brushed these issues under the carpet and those who have visited psychiatrists or psychologists have been pressured to keep their conditions and treatment shrouded in secrecy. I have been fighting this negative perception for over decades and it makes me happy and fills me with hope to see the Union Budget address mental healthcare by setting up a NIMHANS 2 in North India and by upgrading existing National Mental Health Institutes in Ranchi and Tezpur to regional apex institutions. I'm sure this is just the beginning and that there will be many more positive steps taken ahead so all the citizens of our country can get the help they need."

Dr. Minu Budhia

(Psychotherapist & Founder, Caring Minds International)

আজকাল

কলকাতা ১৯ মাঘ ১৪৩২ সোমবার ২ ফেব্রুয়ারি ২০২৬ শহর সংস্করণ* ৪.০০ টাকা ১২ পাতা

রাজ্য

আজকাল ৭

কলকাতা সোমবার ২ ফেব্রুয়ারি ২০২৬

মানসিক স্বাস্থ্যসেবায় গুরুত্ব: মিনু বুধিয়া

‘মানসিক স্বাস্থ্য সংক্রান্ত সমস্যাগুলিকে দীর্ঘকাল ধরে একটি নিষিদ্ধ বিষয় বা ‘ট্যাবু’ হিসেবে দেখা হয়েছে এবং যাঁরা এতে

ভুগছেন, তাঁদের সামাজিক অপবাদের মুখোমুখি হতে হয়েছে। বছরের পর বছর ধরে অধিকাংশ পরিবার এই সমস্যাগুলিকে ধামাচাপা দিয়ে রেখেছে এবং যাঁরা সাইকিয়াট্রিস্ট বা সাইকোলজিস্টদের কাছে গিয়েছেন, তাঁদের নিজেদের অবস্থা ও চিকিৎসার কথা গোপন রাখার জন্য চাপ দেওয়া

হয়েছে। আমি দশকের পর দশক ধরে এই নেতিবাচক ধারণার বিরুদ্ধে লড়াই



ড. মিনু বুধিয়া
সাইকোথেরাপিস্ট
এবং কেয়ারিং মাইন্ডস
ইন্টারন্যাশনালের প্রতিষ্ঠাতা

করছি। কেন্দ্রীয় বাজেটে উত্তর ভারতে একটি ‘নিমহ্যাল ২’ স্থাপন এবং রাঁচি ও তেজপুরের বিদ্যমান জাতীয় মানসিক

স্বাস্থ্য ইনস্টিটিউটগুলিকে আঞ্চলিক শীর্ষ প্রতিষ্ঠানে উন্নীত করার মাধ্যমে মানসিক স্বাস্থ্যসেবাকে গুরুত্ব দেওয়া হয়েছে, যা দেখে আমি আনন্দিত এবং আশাবিত্ত।

আমি নিশ্চিত যে এটি কেবল শুরু এবং ভবিষ্যতে আরও অনেক ইতিবাচক পদক্ষেপ নেওয়া হবে,

যাতে আমাদের দেশের সমস্ত নাগরিক তাঁদের প্রয়োজনীয় সাহায্য পেতে পারেন।’

বাজেটে ভারসাম্য দেখলেও বণিকসভার মুখে সমালোচনা

স্টাফ রিপোর্টার : চার রাজ্য ও একটি কেন্দ্রশাসিত অঞ্চলে ভোট আসন্ন। তার আগে কেন্দ্রীয় বাজেটে ভারসাম্য রয়েছে বলে দাবি বণিকমহলের। কারও মুখে আবার সামান্য সমালোচনার সুর। এদিন অবশ্য শেয়ার বাজারে ধস নামে। সেই ধস কাটিয়ে কবে কীভাবে, কতদিনে বাজার ঘুরে দাঁড়াবে তা স্পষ্ট নয়। কিন্তু একে বড় কোনও বিপদ বলে চিহ্নিত করছে না শিল্পমহল। বিসিসিআই-এর সভাপতি অভিজিৎ রায়ের মতে, “অর্থনৈতিক সমৃদ্ধির দিকে তাকিয়ে বাজেট পেশ করা হয়েছে। শিপিং, খনি শিল্প, পরিবহন ক্ষেত্রে বিশেষ ভাবনা, কনটেনার ম্যানুফ্যাকচারিং স্কিমে বিপুল বরাদ্দ বড় পদক্ষেপ।” অভিজিৎবাবু বলেছেন, “বেঙ্গল চেম্বার একটি প্রস্তাব বেশ কিছুদিন ধরেই রাখছিল জিএসটি কাউন্সিলের কাছে। যা এবারের বাজেটে মান্যতা পেয়েছে। উৎপাদন ক্ষেত্রের ডিলাররা জিএসটি সংক্রান্ত একটি জট্টে আটকে ছিলেন। তার সুরা হা হয়েছে।” আইসিসি-র সিনিয়র ভাইস প্রেসিডেন্ট পার্থিব নেওটিয়া বলেন, “স্বাস্থ্যক্ষেত্রে উল্লেখযোগ্য বিনিয়োগ ও গুরুত্ব দেওয়া

অত্যন্ত উৎসাহজনক। কয়েকটি আঞ্চলিক মেডিক্যাল টুরিজম হাব গড়ে তোলার পরিকল্পনাও দূরদর্শী পদক্ষেপ।” ভারত চেম্বারের সভাপতি নরেশ পাচাশিয়া বলেছেন, “ম্যানুফ্যাকচারিং ইন্ডাস্ট্রির দিকে তাকিয়ে নেওয়া সপ্ত-পদক্ষেপকে স্বাগত। ‘বায়োফার্মা শক্তি’ খাতে ১০ হাজার কোটি বরাদ্দ একে অক্সিজেন জোগাবে।” বন্ধন ব্যঙ্কের প্রতিষ্ঠাতা, এমডি এবং সিইও চন্দ্রশেখর ঘোষও স্বাগত জানিয়েছেন বাজেটকে। তাঁর মতে এই বাজেটে দীর্ঘমেয়াদি ভাবনা রয়েছে। মার্লিন গ্রুপের ম্যানেজিং ডিরেক্টর সাকেরত মোহতা বলেছেন, “মূলধন বিনিয়োগে জোর দিয়ে পরিকাঠামোর উন্নয়নে পদক্ষেপ নিয়েছেন অর্থমন্ত্রী। যোগাযোগ ব্যবস্থা, শহরমুখী শিল্প পরিবহনের পরিকাঠামো বৃদ্ধিতে আর্থিক উন্নয়ন ও কর্মসংস্থানের দীর্ঘমেয়াদি পরিকল্পনারই ভাবনা। রিয়েল এস্টেটের ক্ষেত্রে আর একটু পরিকল্পিত ভাবনা আশা করেছিলাম আমরা। যাতে আবাসন শিল্প উপকৃত হতে পারত।” শ্রী কেশব ভজান্না (এক্সিকিউটিভ ডিরেক্টর, সেফুরি গ্রাইবোর্ডস) বলেছেন, “হস্তশিল্প,



বণিকসভা সিআইআই-এর উদ্যোগে কেন্দ্রীয় বাজেটের সরাসরি সম্প্রচার ও আলোচনায় শিল্পপতিরা। কলকাতায় রবিবার। —অপ্রতিম পাল।

টেস্টটাইল ও এমএসএমই-র মতো চাপের মুখে থাকা ক্ষেত্রগুলিতে সহায়তা দেওয়ার ঘোষণা ইতিবাচক।” ডেলয়েট টুশ তেহমাতসু ইন্ডিয়ান প্রাক্তন সিনিয়র অ্যাডভাইসার অতনু সেন মনে করেন, বাজেটে সুস্থ ও প্রাণবন্ত ব্যাঙ্কিং ব্যবস্থার কথা উল্লেখ করা হলেও এবং এই সংক্রান্ত একটি কমিটি গঠনের প্রস্তাব থাকলেও, ব্যাঙ্কিং, বিমা ও পেনশন খাতে সরাসরি উদ্যোগ তুলনামূলকভাবে সীমিত। তবে আইসিসির ডিরেক্টর জেনারেল ড. রাজীব

সিং বলেন, “অত্যন্ত কৌশলগত বাজেট। এই বাজেট স্বল্পমেয়াদি ও দীর্ঘমেয়াদি উভয় পরিকল্পনাই সুস্পষ্টভাবে তুলে ধরেছে, যেখানে দীর্ঘমেয়াদি লক্ষ্য হল আত্মনির্ভর ভারত গঠনের জন্য জাতীয় ও শিল্প সক্ষমতা বৃদ্ধি।” এমএসএমই সেক্টরের শিল্পপতিদের সংগঠন ফসমির সভাপতি বিশ্বনাথ ভট্টাচার্য এই ক্ষেত্রে কেন্দ্রের বিশেষ নজরকে স্বাগত জানিয়ে বলেছেন, কিন্তু এই ক্ষেত্রে পণ্য দিয়েও সময়ের মধ্যে তার টাকা পাওয়া যায় না।

যেটা বড় সমস্যা। সরকারি নিয়মেরও তোয়াক্কা করেন না অনেকেই। সেটার উপর জোর দিলে এই ক্ষেত্র উপকৃত হত।” এমএসএমই ডেভলপমেন্ট ফোরামের প্রেসিডেন্ট অবশ্য এই ক্ষেত্রে ১০ হাজার কোটি বরাদ্দকে খুবই ইতিবাচক পদক্ষেপ বলে মনে করেন। এতে ক্ষুদ্র ও মাঝারি শিল্প অক্সিজেন পাবে। কর্মসংস্থান বাড়বে। জেআইএস গ্রুপের ম্যানেজিং ডিরেক্টর তরণজিৎ সিং বলেন, “ভবিষ্যতের শিক্ষাব্যবস্থার উন্নয়নে দৃঢ় ভাবনার প্রতিফলন রয়েছে বাজেটে।” কেয়ারিং মাইন্ড ইন্টারন্যাশনালের প্রতিষ্ঠাতা মিনু বৃথিয়ার মতে, “মানসিক স্বাস্থ্য নিয়ে মানুষের মধ্যে নানা রকম ভ্রান্ত ধারণা ও লুকিয়ে রাখার প্রবণতা রয়েছে। কিন্তু এই স্বাস্থ্যরক্ষা খুবই জরুরি। সেই পদক্ষেপ নিয়েছে কেন্দ্র।” নির্মাণ শিল্পে যুক্ত সংগঠন ক্রেডাইটের বঙ্গের সভাপতি সুশীল মোহতা বাজেটকে স্বাগত জানিয়ে বলেছেন পরিকাঠামো ক্ষেত্রকে গুরুত্ব দেওয়া হয়েছে। স্বর্ণ ও অলঙ্কার শিল্পের সংগঠন জিজেইপিসি-র কিরীট ভনশালি বলেছেন, শিল্পের দিকে তাকিয়ে বেশ কিছু ব্যবস্থা নেওয়া হয়েছে।

सन्मार्ग

॥ नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः॥

कोलकाता, सोमवार 2 फरवरी, 2026

02 सन्मार्ग कोलकाता
सोमवार 2 फरवरी, 2026

कोलकाता सिटी



केयरिंग माइंड्स इंटरनेशनल की संस्थापक डॉ. मिनु बुधिया ने कहा कि वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य

समस्याओं को समाज में टैबू की तरह देखा गया है और इससे जूझ रहे लोगों को चुप रहने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने उत्तर भारत में निमहांस-2 की स्थापना और रांची एवं तेजपुर के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों को क्षेत्रीय शीर्ष संस्थानों के रूप में उन्नत करने के निर्णय को बेहद सकारात्मक बताया।

कोलकाता, सोमवार, 02 फरवरी, 2026

'निरंतरता, सहजता और विश्वास का बजट'

संस्थापक डॉ. मीनू बुधिया ने
केंद्रीय बजट
2026-27 में
मानसिक
स्वास्थ्य को
प्राथमिकता
दिए जाने का
स्वागत किया
है। उन्होंने
कहा कि



मानसिक स्वास्थ्य
समस्याओं को लंबे समय तक
समाज में बर्जना की तरह देखा गया
और पीड़ितों को सामाजिक कलंक
का सामना करना पड़ा।

वर्षों तक परिवारों ने इन मुद्दों
को दबाए रखा और जो लोग
मनोचिकित्सक या मनोवैज्ञानिक के
पास गए, उन्हें अपनी स्थिति और
उपचार को गुप्त रखने के लिए
मजबूर किया गया। डॉ. बुधिया ने
कहा कि वह दशकों से इस
नकारात्मक धारणा के खिलाफ
संघर्ष कर रही हैं और अब बजट में
मानसिक स्वास्थ्य को महत्व दिए
जाते देख उन्हें खुशी और उम्मीद
मिली है। उन्होंने कहा कि उत्तर
भारत में 'निमहांस 2' की स्थापना
और रांची व तेजपुर स्थित राष्ट्रीय
मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों को
क्षेत्रीय शीर्ष संस्थान के रूप में
उन्नत करने का निर्णय सराहनीय
है। मीनू बुधिया ने विश्वास जताया
कि यह केवल शुरुआत है और
आगे भी कई सकारात्मक कदम
उठाए जाएंगे ताकि देश के सभी
नागरिकों को आवश्यक मानसिक
स्वास्थ्य सहायता मिल सके।



अखबार नहीं आंदोलन

प्रभात खबर

प्रभात खबर

बंगाल

कोलकाता, मंगलवार
3.02.2026

05



मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को समाज में भेदभाव का सामना करना पड़ा है. सालों से ज्यादातर परिवारों ने इन समस्याओं को नजरअंदाज किया है और जो लोग साइकियाट्रिस्ट या साइकोलॉजिस्ट के पास गये हैं, उन पर अपनी स्थिति और इलाज को छिपाकर रखने का दबाव डाला गया है. मैं दशकों से इस नेगेटिव सोच के खिलाफ लड़ रही हूँ और यह देखकर मुझे खुशी और उम्मीद जगी है कि केंद्रीय बजट में उत्तर भारत में एनआइएमएचएनएस2 की स्थापना करके और रांची और तेजपुर में मौजूदा नेशनल मेंटल हेल्थ इंस्टीट्यूट को रीजनल टॉप संस्थानों में अपग्रेड करके मानसिक स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान दिया गया है.

डॉ. मीनू बुधिया, साइकोथेरेपिस्ट और संस्थापक, कैरिंग माइंड्स इंटरनेशनल

डॉ. मीनू बुधिया, संस्थापक, केयरिंग माइंड्स इंटरनेशनल : मानसिक स्वास्थ्य को दी गई प्राथमिकता का स्वागत करते हुए इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया है। यह बजट न केवल स्वास्थ्य ढांचे को



मजबूत करेगा, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ने में भी अहम भूमिका निभाएगा।

डॉ. बुधिया ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमारे समाज में लंबे समय से मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को एक कलंक की तरह देखा जाता रहा है। अधिकांश परिवार इन समस्याओं को छिपाते आए हैं और इलाज कराने वालों पर अपनी स्थिति गुप्त रखने का भारी दबाव रहता है। उन्होंने कहा कि वह दशकों से इस नकारात्मक धारणा के खिलाफ संघर्ष कर रही हैं और आज बजट में इस विषय पर ध्यान केंद्रित होते देखना उनके लिए उम्मीद और खुशी की बात है। उत्तर भारत में NIMHANS w की स्थापना और रांची व तेजपुर स्थित मौजूदा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों को क्षेत्रीय शीर्ष संस्थानों के रूप में अपग्रेड करने के निर्णय को क्रांतिकारी कदम है। बुनियादी ढांचे में यह सुधार देश के कोने-कोने तक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करेगा।



दैनिक विश्वमित्र

कोलकाता सोमवार ■ 2 फरवरी, 2026 ■ माघ शुक्ल 15, सम्वत् 2082

दैनिक विश्वमित्र

• कोलकाता,
सोमवार 2 फरवरी 2026



बजट को उद्योग व व्यापार जगत ने सराहा और संतुलित बताया



मीनू बुधिया

डॉ. मीनू बुधिया ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को लंबे समय से एक टैबू माना जाता रहा है और इनसे पीड़ित लोगों को समाज में भेदभाव का सामना करना पड़ा है। सालों से ज्यादातर परिवारों ने इन समस्याओं को नज़रअंदाज़ किया है और जो लोग साइकियाट्रिस्ट या साइकोलॉजिस्ट के पास गए हैं, उन पर अपनी हालत और इलाज को सीक्रेट रखने का दबाव डाला गया है। मैं दशकों से इस नेगेटिव सोच के खिलाफ लड़ रही हूँ और यह देखकर मुझे खुशी और उम्मीद मिलती है कि यूनियन बजट में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान दिया गया है, जिसमें नॉर्थ इंडिया में छखचक-छड 2 की स्थापना की गई है और रांची और तेजपुर में मौजूदा नेशनल मेंटल हेल्थ इंस्टीट्यूट को रीजनल टॉप संस्थानों में अपग्रेड किया गया है। मुझे यकीन है कि यह सिर्फ़ शुरुआत है और आगे भी कई और पॉजिटिव कदम उठाए जाएंगे ताकि हमारे देश के सभी नागरिकों को वह मदद मिल सके जिसकी उन्हें ज़रूरत है।



समाशा



सोमवार, 2 फरवरी 2026

कोलकाता, 2 फरवरी, सोमवार, 2026

3



डॉ. मीनू बुधिया (मनोचिकित्सक एवं संस्थापक, केयरिंग माइंड्स इंटरनेशनल)

उन्होंने कहा कि बजट में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देना लंबे समय से जुड़े सामाजिक कलंक को तोड़ने की दिशा में बड़ा कदम है। उत्तर भारत में निम्हांस-2 की स्थापना और रांची व तेजपुर के संस्थानों को उन्नत करना मानसिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करेगा। उनके अनुसार यह शुरुआत है, जिससे देशभर में लोगों को जरूरी मानसिक स्वास्थ्य सहायता मिल सकेगी।



निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

कोलकाता, सोमवार, 2 फरवरी 2026

www.yuvashaktinews.com
कोलकाता | सोमवार | 2 फरवरी 2026

बजट पर विशेष

युवा शक्ति 12

डॉ. मीनू बुधिया (मेंटल हेल्थकेयर पर ध्यान दिया गया है) :



डॉ. मीनू बुधिया, साइकोथेरेपिस्ट और फाउंडर, कैरिंग माइंड्स इंटरनेशनल ने कहा कि मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं को लंबे समय से टैबू माना जाता रहा है और जो लोग इससे परेशान होते हैं, उन्हें समाज में बदनामी का सामना करना पड़ता है. सालों से ज़्यादातर परिवार इन समस्याओं को दबाते रहे हैं और जो लोग साइकोट्रिस्ट या साइकोलॉजिस्ट के पास गए हैं, उन पर अपनी कंडीशन और इलाज को सीक्रेट रखने का दबाव डाला गया है. मैं दशकों से इस नेगेटिव सोच से लड़ रही हूँ और मुझे खुशी और उम्मीद से भर देती है जब यूनियन बजट में नॉर्थ इंडिया में एनआईएमएचएनएस 2 बनाकर और रांची और तेज़पुर में मौजूदा नेशनल मेंटल हेल्थ इंस्टिट्यूट को रीजनल टॉप इंस्टीट्यूशन में अपग्रेड करके मेंटल हेल्थकेयर पर ध्यान दिया गया है. मुझे यकीन है कि यह तो बस शुरुआत है और आगे और भी कई पॉजिटिव कदम उठाए जाएँगे ताकि हमारे देश के सभी नागरिकों को उनकी ज़रूरत की मदद मिल सके.

পাঠকের কাছে দায়বদ্ধ

যুগশব্দ

কলকাতা • শিলচর • গুয়াহাটি

বর্ষ: ১১ সংখ্যা: ৩২৭, বুধবার, ৪ ফেব্রুয়ারি ২০২৬, ২১ মাঘ ১৪৩২ কলকাতা ৮ পাতা ৬ টাকা

কলকাতা, বুধবার
৪ ফেব্রুয়ারি, ২০২৬

যুগশব্দ

জেলায় জেলায়

৫

কেন্দ্রীয় বাজেট মানসিক স্বাস্থ্যসেবাকে উন্নত করবে, বললেন ড. মিনু বুধিয়া

নিজস্ব প্রতিনিধি: মানসিক স্বাস্থ্য সমস্যাকে দীর্ঘদিন ধরে একটি নিষিদ্ধ বিষয় হিসেবে গণ্য করা হয়েছে এবং যাঁরা এতে ভুগছেন, তাঁদের সামাজিক কলঙ্কের শিকার হতে হয়েছে। বছরের পর বছর ধরে বেশিরভাগ পরিবার এই সমস্যাগুলোকে এড়িয়ে গেছে এবং যাঁরা মনোরোগ বিশেষজ্ঞ বা মনোবিজ্ঞানীর কাছে গেছেন, তাঁদের ওপর নিজেদের অবস্থা ও চিকিৎসা গোপন রাখার জন্য চাপ সৃষ্টি করা হয়েছে। কথাগুলো বলছিলেন বিশিষ্ট সাইকোথেরাপিস্ট ও কেয়ারিং মাইন্ডস ইন্টারন্যাশনাল-এর



প্রতিষ্ঠাতা ড. মিনু বুধিয়া।

প্রসঙ্গক্রমে তিনি বললেন, আমি কয়েক দশক ধরে এই নেতিবাচক ধারণার বিরুদ্ধে

লড়াই করে আসছি এবং এটা দেখে আমি আনন্দিত ও আশান্বিত যে, কেন্দ্রীয় বাজেট উত্তর ভারতে একটি দ্বিতীয় নিম্নহাস স্থাপন করে এবং রাঁচি ও তেজপুরের জাতীয় মানসিক স্বাস্থ্য প্রতিষ্ঠানগুলোকে আঞ্চলিক শীর্ষ প্রতিষ্ঠানে উন্নীত করে মানসিক স্বাস্থ্যসেবার বিষয়টি সমাধান করছে। আমি নিশ্চিত যে, এটি কেবল শুরু এবং ভবিষ্যতে আরও অনেক ইতিবাচক পদক্ষেপ করা হবে, যাতে আমাদের দেশের সমস্ত নাগরিক তাঁদের প্রয়োজনীয় সাহায্য পেতে পারেন।

মনের স্বাস্থ্য নিয়ে গুরুত্বপূর্ণ পদক্ষেপ বাজেটে: মিনু বুধিয়া

আরো খবর প্রতিবেদন:
এবারের কেন্দ্রীয় বাজেটে
অর্থমন্ত্রী নির্মলা সীতারামন
দেশবাসীর শারীরিক স্বাস্থ্যের
পাশাপাশি মানসিক স্বাস্থ্যের
দিকে নজর দেওয়ার দিকটিও
সামনে এনেছেন। সেই সঙ্গে
এনআইএমএইচএএনএস বা
নিমহানস-এর আরও একটি
শাখা প্রতিষ্ঠার কথা ও তুলে
ধরেছেন। এটা অত্যন্ত
ইতিবাচক একটি ভাবনা বলে
মনে করছেন প্রখ্যাত
সাইকোথেরাপিস্ট এবং
ক্যারিং মাইন্ডস
ইন্টারন্যাশনাল-এর প্রতিষ্ঠাতা
ড. মিনু বুধিয়া।



ড. মিনু বুধিয়া জানিয়েছেন,
মানসিক স্বাস্থ্য সমস্যাগুলিকে
ঐষদিন ধরেই নিষিদ্ধ বলে
গণ্য করা হচ্ছে এবং যাঁরা
ভুক্তভোগী তাঁদের সামাজিক

কলঙ্কের মুখোমুখি হতে হয়েছে। বছরের পর বছর ধরে বেশিরভাগ পরিবার
এই সমস্যাগুলিকে কোনও মূল্য দেয়নি এবং যাঁরা মনোরোগ বিশেষজ্ঞ বা
মনোবিজ্ঞানীদের কাছে গেছেন তাঁদের অবস্থা এবং চিকিৎসা গোপন রাখার
জন্য চাপ দেওয়া হয়েছে। আমি কয়েক দশক ধরে এই নেতিবাচক ধারণার
বিরুদ্ধে লড়াই করে আসছি। কেন্দ্রীয় বাজেটে উত্তর ভারতে একটি
নিমহানস-২ স্থাপন এবং রাঁচি ও তেজপুরে বিদ্যমান জাতীয় মানসিক স্বাস্থ্য
ইনস্টিটিউটগুলিকে আঞ্চলিক শীর্ষ প্রতিষ্ঠানে উন্নীত করে মানসিক
স্বাস্থ্যসেবার বিষয়টি বিবেচনা করায় আশাবহিত হয়েছি।

তিনি আরও জানিয়েছেন, 'আমি নিশ্চিত এটা কেবল শুরু এবং আমাদের
দেশের সকল নাগরিক যাতে তাঁদের প্রয়োজনীয় সাহায্য পেতে পারেন,
সেজন্য পরবর্তীতে আরও অনেক ইতিবাচক পদক্ষেপ নেওয়া প্রয়োজন।'

THE ECHO OF INDIA

PUBLISHED FROM : NEW DELHI, KOLKATA, SILIGURI, GANGTOK, GUWAHATI and SRI VIJAYA PURAM (PORT BLAIR)

P10 Nation

THE ECHO OF INDIA - KOLKATA
Monday • February 2, 2026

Mental health issues have long been treated like a taboo and those suffering have been met with societal stigma. For years most families have brushed these issues under the carpet and those who have visited psychiatrists or psychologists have been pressured to keep their conditions and treatment shrouded in secrecy. I have been fighting this negative perception for over decades and it makes me happy and fills me with hope to see the Union Budget address mental healthcare by setting up a NIMHANS 2 in North India and by upgrading existing National Mental Health Institutes in Ranchi and Tezpur to regional apex institutions.



I'm sure this is just the beginning and that there will be many more positive steps taken ahead so all the citizens of our country can get the help they need. Dr. Minu Budhia, Psychotherapist & Founder, Carring Minds International.

कलकता, शिनिगुडि ७ पोर्ट ब्लेयर थेके एकयोगे प्रकाशित

आर्थिक लिपि

कलकता • सोमवार • १९ माघ, १४०२ • २ फेब्रुवारी, २०२७ • KOLKATA • MONDAY • FEBRUARY 2, 2026

इंफो इंडिया
कोलकता, सोमवार, २ फरवरी 2026

बंगाल एवं अन्य

3

मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को लंबे समय से एक वर्जित विषय माना जाता रहा है और इससे पीड़ित लोगों को सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ा है। वर्षों से अधिकांश परिवार इन मुद्दों को दबाते रहे हैं और मनोचिकित्सकों या मनोवैज्ञानिकों से परामर्श लेने वालों पर अपनी स्थिति और उपचार को गुप्त रखने का दबाव डाला गया है। मैं दशकों से इस नकारात्मक धारणा से लड़ रहा हूँ और यह देखकर मुझे खुशी और आशा की किरण दिखाई देती है कि



केंद्रीय बजट में उत्तर भारत में एनआईएमएचएनएस 2 की स्थापना और रांची और तेजपुर में मौजूदा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों को क्षेत्रीय शीर्ष संस्थानों में उन्नत करके मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को संबोधित किया गया है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह तो बस शुरुआत है और आगे कई और सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे ताकि हमारे देश के सभी नागरिकों को वह मदद मिल सके जिसकी उन्हें जरूरत है: डॉ. मीनू बुधिया, मनोचिकित्सक और संस्थापक, कैरिंग माइंड्स इंटरनेशनल।

روزنامہ اخبار مشرق کلکتہ

Published from Kolkata • Asansol • Siliguri • Bhopal • Delhi • Ranchi • Lucknow • Srinagar
AKHBAR-E-MASHRIQ

Kolkata, Tuesday, 3rd February, 2026, Shaban-ul-Moazzam, 14 | 1447 A.H. 33 شمارہ نمبر

ذہنی صحت کے مسائل سے نمٹنا ہو امریزید آسان

مرکزی بجٹ میں اس کے علاج پر زور دیا گیا، ڈاکٹر مینو پودھیہ کا اظہار مسرت

میں رکھے۔ اس سلسلے میں ڈاکٹر مینو پودھیہ جو سائیکو تھراپسٹ ہونے کے ساتھ ساتھ کیرنگ ماسٹرز انٹرنیشنل کی بانی ہیں انہوں نے اپنے خیال کا اظہار کرتے ہوئے کہا میں لوگوں کے اس منفی سوچ کے خلاف کامیابی سے لڑ رہی ہوں۔ اور دہائیوں سے یہ لڑائی جاری ہے۔ مجھے خوشی ہے کہ مرکزی بجٹ میں ذہنی صحت پر توجہ دی گئی ہے اور علاج کیلئے شمالی ہندوستان میں NIMHANS-2 کا قیام عمل آیا ہے۔ راجی اور تیز پور نیشنل مینٹل ہیلتھ انسٹی ٹیوٹ کی جدت کاری کی گئی ہے۔ ڈاکٹر پودھیہ نے کہا کہ مجھے خوشی ہے کہ یہ شروعات ہے۔ مثبت اقدامات کئے گئے تو ہمارے ملک کے تمام شہریوں کو وہ مدد ملے گی جس کی انہیں ضرورت ہے۔



مریض کا بھی بیڑہ عرق کرتے ہیں۔ ان میں جو لوگ بغرض علاج اسپتال سے رجوع بھی کیا تو وہاں انہیں دباؤ ڈالا گیا کہ وہ اس مرض کو راز

کلکتہ، 2 فروری: آج کے اس سانسوی دور میں بھی فرسودہ خیالات کا بول بالا ہے۔ لوگ آج بھی بیماریوں کا علاج کی جگہ سے چھپانے کی کوشش کرتے ہیں۔ کوئی بھی شخص کسی بھی بیماری میں مبتلا ہو سکتا ہے اس کیلئے ضروری ہے کہ اسپتال کا رخ کریں ڈاکٹروں سے صلاح و مشورہ کے بعد اس کا باضابطہ علاج کرائیں لیکن بہت سے لوگ اپنی بیماریوں کو چھپاتے ہیں جس کے نتیجے میں اکثر مریضوں کو اپنی جان تک گنواہی پڑتی ہے۔ اسی طرح سے ذہنی صحت کے مسائل کو طویل عرصے سے ایک ممنوعہ بیماری سمجھا جاتا رہا ہے جس کے نتیجے میں مریضوں کو معاشرتی طور پر بڑی سبکی کا سامنا کرنا پڑتا ہے۔ جہاں تک گھروالوں کا تعلق ہے وہ پاس پڑوس کے لوگوں سے چھپانے کیلئے اپنے ساتھ ساتھ



द रिपब्लिक इण्डियन
सूचित रहनुहोस्

होम क्षेत्रीय ▾ राष्ट्रिय अन्तर्राष्ट्रिय विशेष नेपाल खेलकुद व्यापार/वाणिज्य करियर/रोजगार अन्य ▾ फोटो फिचर टीआरआई अभिलेखालय...

नेपाली ▾

📅 फेब्रुअरी 2, 2026

मानसिक स्वास्थ्यसम्बन्धी समस्या लामो समयदेखि निषेध (ट्याबु): डा. मिनु बुधिया



नयाँ दिल्ली: केरिङ्ग माइन्ड्स ईन्टरनेशनलका संस्थापक एवं मनोचिकित्सक डा. मिनु बुधियाले प्रेस विज्ञप्ति मार्फत “मानसिक स्वास्थ्यसम्बन्धी समस्या लामो समयदेखि निषेध (ट्याबु) का रूपमा हेरिँदै आएको र यसबाट पीडित व्यक्तिहरू सामाजिक कलङ्कको सामना गर्न बाध्य भएका छन् भनि उल्लेख गरिन्।

उनले धेरै वर्षसम्म अधिकांश परिवारहरूले यस्ता समस्यालाई दबाएर राखेर मनोचिकित्सक वा मनोवैज्ञानिककहाँ उपचार गराएकाहरूलाई पनि आफ्ना अवस्था र उपचारबारे गोप्य राख्न दबाब दिइयो भनि उल्लेख गरेकि छन्।

उनले विज्ञप्तिमा उनि विगत केही दशकदेखि यही नकारात्मक धारणा विरुद्ध लड्दै आएकी र केन्द्रीय बजेटले उत्तर भारतमा ‘निम्हान्स-२’ स्थापना गर्ने तथा राँची र तेजपुरस्थित विद्यमान राष्ट्रिय मानसिक स्वास्थ्य संस्थानहरूलाई क्षेत्रीय शीर्ष (एपेक्स) संस्थानका रूपमा उन्नयन गर्ने घोषणा गरेको देख्दा खुशी र आशाले भरिदिएको अनुभव व्यक्त गरिन्।

अन्तमा डा.बुधियाले विज्ञप्तिमा यो केवल सुरुवात मात्र हो र आगामी दिनहरूमा अझ धेरै सकारात्मक कदमहरू चालिनेछन् जसबाट देशका सबै नागरिकहरूले आवश्यक मानसिक स्वास्थ्य सेवा र सहयोग प्राप्त गर्न सक्नेछन् भनि व्यक्त गरिन्।”